Drishti IAS

# करेंट अफेयर्स उत्तर प्रदेश

## दिसंबर (संग्रह)

## 2024

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

# अनुक्रम


**उत्तर प्रदेश** **3**

- संभल मस्जिद पर ASI की प्रतिक्रिया 3
- उत्तर प्रदेश ने महाकुंभ क्षेत्र को नया ज़िला घोषित किया 4
- राजा महेंद्र प्रताप सिंह जयंती 5
- UP में डिजिटल इंडिया राज्य परामर्श कार्यशाला आयोजित 6
- महाभारत काल की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण 8
- उत्तर प्रदेश सरकार मदरसा अधिनियम, 2004 में संशोधन करेगी 9
- उत्तर प्रदेश में आधे से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएँ कर रही हैं 10
- उत्तर प्रदेश GeM को पूर्ण रूप से अपनाने वाला पहला राज्य बना 10
- डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि 11
- पीलीभीत टाइगर रिज़र्व 12
- जेवर हवाई अड्डे पर पहली वैलिडेशन फ्लाइट की लैंडिंग 13
- GeM प्लेटफॉर्म को पूर्णत: अपनाने वाला पहला राज्य- उत्तर प्रदेश 14
- UP ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिये अनुपूरक बजट पेश किया 15
- इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया गया 16
- पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध 17
- अयोध्या ने ताजमहल को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल बना (2024) 18
- प्राचीन बावड़ी उत्तर प्रदेश में खोजी गई 19
- उच्च न्यायालय ने 17वीं सदी के आगरा स्मारक को संरक्षित करने का आदेश दिया 19
- उत्तर प्रदेश में गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग 20
- महाकुंभ 2025 में ड्रोन शो 21



**दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें**

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME


**नोट :**

# उत्तर प्रदेश

## संभल मस्जिद पर ASI की प्रतिक्रिया

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ( ASI )** ने संभल में मुगलकालीन शाही जामा मस्जिद के नियंत्रण और प्रबंधन के लिये संभल की सिविल कोर्ट से अनुरोध किया है, जिसमें मस्जिद को **संरक्षित विरासत स्थल** का दर्जा दिया गया है। यह अनुरोध मस्जिद के सर्वेक्षण के लिये कोर्ट की मंज़ूरी के बाद किया गया है।

### मुख्य बिंदु

- **संभल मस्जिद को लेकर विवाद:**
  - 19 जनवरी, 2018 को मस्जिद की प्रबंधन समिति के विरुद्ध उचित प्राधिकरण प्राप्त किये बिना मस्जिद की सीढ़ियों पर स्टील की रेलिंग लगाने के आरोप में **प्रथम सूचना रिपोर्ट ( FIR )** दर्ज की गई थी।
  - ASI ने कहा कि **शाही जामा मस्जिद, जिसे प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम 1904** के तहत **1920 में संरक्षित स्मारक के रूप में अधिसूचित किया गया था,** उसके अधिकार क्षेत्र में आती है।
  - ASI ने तर्क दिया कि मस्जिद की प्रबंधन समिति ने अनधिकृत संरचनात्मक संशोधन किये हैं, जो गैरकानूनी हैं और इन्हें प्रतिबंधित किया जाना चाहिये।
- **पहुँच और विनियमन:**
  - ASI ने कहा कि मस्जिद तक जनता की पहुँच स्वीकार्य है, लेकिन केवल तभी जब वह ASI नियमों का पालन करे।
  - ASI ने मस्जिद पर पूर्ण नियंत्रण और प्रबंधन की मांग की है, तथा स्मारक के रखरखाव और इसकी संरचना में किसी भी परिवर्तन को विनियमित करने की अपनी जिम्मेदारी पर बल दिया है।
- **न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के दौरान हिंसा:**
  - 24 नवंबर 2024 को शाही जामा मस्जिद के न्यायालय द्वारा आदेशित सर्वेक्षण के दौरान संभल में **हिंसा** भड़क उठी।
  - झड़पों के दौरान चार लोग मारे गए तथा कई अन्य घायल हो गए।
- **न्यायिक आयोग:**
  - हिंसा की जांच के लिये 28 नवंबर, 2024 को तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया गया।
  - आयोग यह निर्धारित करेगा कि हिंसा स्वत:स्फूर्त थी या पूर्वनियोजित साजिश का हिस्सा थी।
  - जांच में हिंसा के कारणों का विश्लेषण किया जाएगा तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिये उपाय सुझाए जाएँगे।
  - इसे दो महीने के भीतर अपने निष्कर्ष प्रस्तुत करने होंगे तथा किसी भी विस्तार के लिये सरकार की मंज़ूरी लेनी होगी।
- **सर्वेक्षण और मंदिर याचिका:**
  - अदालत द्वारा आदेशित सर्वेक्षण एक याचिका से जुड़ा था जिसमें दावा किया गया था कि संभल में **जामा मस्जिद मूल रूप से मोहल्ला कोट पूर्वी में स्थित एक हरि हर मंदिर** था और इसे 1529 में मस्जिद में परिवर्तित कर दिया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **ऐतिहासिक संदर्भ:**
  - संभल की जामा मस्जिद **बाबर के शासनकाल ( 1526-1530 ) के दौरान बनाई गई तीन मस्जिदों में से एक है।** अन्य मस्जिदों में पानीपत की मस्जिद और अब ध्वस्त हो चुकी बाबरी मस्जिद शामिल हैं।
  - **इतिहासकार हॉवर्ड क्रेन ने अपनी कृति, *द पैट्रोनेज ऑफ बाबर एंड द ऑरिजिंस ऑफ मुगल आर्किटेक्चर*** में मस्जिद की स्थापत्य कला की विशेषताओं का वर्णन किया है।
  - क्रेन ने एक फ़ारसी शिलालेख का उल्लेख किया जिसमें कहा गया है कि बाबर ने अपने सूबेदार **जहाँगीर कुली खान के माध्यम से दिसंबर 1526 में मस्जिद के निर्माण का आदेश दिया था।**

## प्राचीन स्मारक संरक्षण अधिनियम, 1904

- **परिचय:**
  - **यह अधिनियम 1904 में ब्रिटिश भारत में लॉर्ड कर्जन** के कार्यकाल के दौरान पारित किया गया था।
  - इसका उद्देश्य ऐतिहासिक, पुरातात्विक और कलात्मक महत्त्व के **प्राचीन स्मारकों और वस्तुओं को संरक्षित करना था।**
- **प्रमुख प्रावधान:**
  - इसने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) को प्राचीन भारतीय स्मारकों के संरक्षण और पुनरुद्धार का अधिकार दिया।
  - **अवैध तस्करी को रोकने** के लिये **पुरावशेषों** की आवाजाही और व्यापार को विनियमित किया गया।
  - निर्दिष्ट क्षेत्रों में पुरातात्विक उत्खनन पर नियंत्रण का प्रावधान किया गया।
  - कुछ मामलों में संरक्षण के लिये प्राचीन स्मारकों के अधिग्रहण को सुगम बनाया गया।
- **महत्त्व:**
  - एक संरचित कानूनी ढाँचे के तहत भारत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करने में एक आधारभूत भूमिका निभाई।
  - स्मारक संरक्षण में ASI की ज़िम्मेदारियों को बढ़ाया गया।

# उत्तर प्रदेश ने महाकुंभ क्षेत्र को नया ज़िला घोषित किया

## चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने **प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र को नया ज़िला घोषित किया है।**

- इसे **जनवरी 2025** में होने वाले आगामी **कुंभ मेले** के प्रबंधन और प्रशासन को सुव्यवस्थित करने के लिये बनाया गया था।

## मुख्य बिंदु

- **यह अधिसूचना उत्तर प्रदेश प्रयागराज मेला प्राधिकरण, प्रयागराज अधिनियम, 2017** की धारा 2 (th) के अंतर्गत जारी की गई।
  - यह महाकुंभ 2025 के आयोजन के लिये आधिकारिक तौर पर महाकुंभ मेला ज़िले की घोषणा करता है।
  - मेला **अधिकारी को नये ज़िले का प्रशासनिक अधिकारी** बनाया गया।
- **मेला अधिकारी की शक्तियाँ एवं जिम्मेदारियाँ:**
  - मेलाधिकारी, कुंभ मेला, प्रयागराज, **भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023** की धारा-14 (1) और संबंधित धाराओं के तहत कार्यपालक मजिस्ट्रेट, ज़िला मजिस्ट्रेट और अतिरिक्त ज़िला मजिस्ट्रेट की शक्तियाँ धारण करेंगे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- मेलाधिकारी को सभी मामलों को निपटाने के लिये **उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता, 2006 ( 2016 में संशोधित ) के तहत ज़िला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर की सभी शक्तियाँ भी प्राप्त होंगी।**
- मेला अधिकारी को ज़िले के लिये अतिरिक्त कलेक्टर नियुक्त करने का अधिकार है।

### महाकुंभ

- कुंभ मेला **संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन ( UNESCO )** की मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की प्रतिनिधि सूची के अंतर्गत आता है।
- यह पृथ्वी पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान करते हैं या डुबकी लगाते हैं।
  - यह नासिक में **गोदावरी नदी, उज्जैन में शिप्रा नदी,** हरिद्वार में **गंगा और प्रयागराज में** गंगा, **यमुना** और पौराणिक **सरस्वती नदी** के संगम पर होता है। संगम को 'संगम' कहा जाता है।
- चूँकि यह भारत के चार अलग-अलग शहरों में आयोजित किया जाता है, इसमें विभिन्न सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियाँ शामिल होती हैं, जिससे यह **सांस्कृतिक रूप से विविध त्योहार बन जाता है।**
- एक **महीने से अधिक समय तक चलने वाले इस मेले** में एक विशाल तम्बूनुमा बस्ती का निर्माण किया जाता है, जिसमें झोपड़ियाँ, मंच, नागरिक सुविधाएँ, प्रशासनिक और सुरक्षा उपाय शामिल होते हैं।
  - इसका आयोजन सरकार, स्थानीय प्राधिकारियों और पुलिस द्वारा अत्यंत सावधानी से किया जाता है।
- यह मेला विशेष रूप से वनों, पहाड़ों और गुफाओं के सुदूर स्थानों से आये **धार्मिक तपस्वियों की असाधारण उपस्थिति के लिये प्रसिद्ध है।**

## राजा महेंद्र प्रताप सिंह जयंती

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दूरदर्शी राष्ट्रवादी **राजा महेंद्र प्रताप सिंह ( 1886-1979 ) की 138वीं जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित की।**

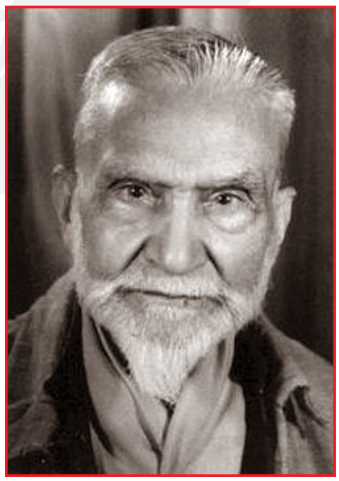

### मुख्य बिंदु

- **पृष्ठभूमि:**
  - राजा महेंद्र प्रताप सिंह का **जन्म 1 दिसंबर, 1886 को हाथरस, उत्तर प्रदेश में हुआ था।**
  - वह एक **स्वतंत्रता सेनानी, क्रांतिकारी, लेखक** और **समाज सुधारक थे।**
  - उन्होंने 1909 में उत्तर प्रदेश के वृंदावन में एक तकनीकी संस्थान, **प्रेम महाविद्यालय की स्थापना की।**
- **स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान:**
  - महेंद्र प्रताप ने **1906 में कोलकाता में हुए कॉन्ग्रेस अधिवेशन** में सक्रिय रूप से भाग लिया, **स्वदेशी आंदोलन** का समर्थन किया और स्वदेशी उद्योगों और स्थानीय कारीगरों का समर्थन किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- महेंद्र प्रताप भारत के स्वतंत्रता संग्राम में गहराई से शामिल थे। **1915 में, प्रथम विश्व युद्ध के दौरान,** उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन का विरोध करते हुए, **काबुल, अफगानिस्तान** में **भारत की पहली अनंतिम सरकार की घोषणा की,** जिसके अध्यक्ष वे स्वयं थे।
  - उन्होंने ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ भारत की लड़ाई के लिये **जर्मनी, जापान और रूस** जैसे देशों से समर्थन मांगा।
  - **कहा जाता है कि बोल्शेविक क्रांति के** दो वर्ष बाद **1919 में** उनकी मुलाकात व्लादिमीर लेनिन से हुई थी।
- उन्होंने **द्वितीय विश्व युद्ध** के दौरान 1940 में **जापान में भारत के कार्यकारी बोर्ड का** भी गठन किया था।

- **अंतर्राष्ट्रीयवादी एवं शांति समर्थक:**
  - महेंद्र प्रताप को शांति के लिये वैश्विक वकालत और **भारत और अफगानिस्तान में ब्रिटिश अत्याचारों को उजागर करने के उनके प्रयासों के लिये 1932 में नोबेल शांति पुरस्कार के लिये नामांकित किया गया था।**
  - 1929 में महेंद्र प्रताप ने **बर्लिन में विश्व महासंघ की स्थापना की, जिसने बाद में संयुक्त राष्ट्र** के निर्माण को प्रभावित किया।
  - **राजनीतिक कैरियर:**
    - स्वतंत्रता के बाद, उन्होंने पंचायती राज के विचार को बढ़ावा देने के लिये कड़ी मेहनत की और **मथुरा ( 1957 )** से **संसद सदस्य** के रूप में कार्य किया।
- **मृत्यु:**
  - **29 अप्रैल, 1979** को उनकी मृत्यु हो गई।

## UP में डिजिटल इंडिया राज्य परामर्श कार्यशाला आयोजित

### चर्चा में क्यों ?

**इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ( MeitY )** के **राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग ( NeGD )** ने **उत्तर प्रदेश विकास प्रणाली निगम लिमिटेड ( UPDESCO )** के साथ साझेदारी में लखनऊ में **डिजिटल इंडिया राज्य परामर्श कार्यशाला** का आयोजन किया।

### मुख्य बिंदु

- **कार्यशाला का उद्देश्य:**
  - **डिजिटल इंडिया पहल** के बारे में जागरूकता बढ़ाना।
  - डिजिटल इंडिया प्लेटफॉर्म का लाभ उठाने के लिये राज्य IT परियोजनाओं के लिये अवसरों की पहचान करना।
  - संभावित अनुकरण के लिये सफल परियोजनाओं का प्रदर्शन।
  - ज्ञान साझाकरण, विचारों के आदान-प्रदान और उद्योग साझेदारी को सुविधाजनक बनाना।
- **केंद्रित क्षेत्र:**
  - इस कार्यक्रम में **डेटा और डिजिटल बुनियादी ढाँचे के महत्त्व** पर प्रकाश डाला गया तथा राज्य से अंतिम छोर तक डिजिटल पहुँच के लिये कनेक्टिविटी बढ़ाने का आग्रह किया गया।
  - कार्यशाला में राज्य के अधिकारियों और ई-ज़िला प्रबंधकों को एक साथ लाकर **सुशासन** की दिशा में सहयोगात्मक रूप से कार्य करने की विशिष्टता पर ज़ोर दिया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **डिजिटल इंडिया कार्यक्रम** के अंतर्गत राष्ट्रीय पहलों पर चर्चा की गई, जिनमें शामिल हैं:
  - **डिजिलॉकर:** डिजिलॉकर ड्राइवर लाइसेंस, वाहन पंजीकरण प्रमाण पत्र और शैक्षणिक अंकतालिकाओं सहित **विभिन्न दस्तावेजों के डिजिटल संस्करणों तक पहुँच** की अनुमति देता है।
  - **एंटिटी लॉकर:** एंटिटी लॉकर एक प्रमुख पहल है जिसे डिजिटल दस्तावेजों और प्रमाण-पत्रों के भंडारण, साझाकरण और सत्यापन के लिये **एक सुरक्षित, क्लाउड-आधारित मंच प्रदान करके संगठनों को सशक्त बनाने के लिये डिज़ाइन किया गया है।**
  - **API सेतु:** API सेतु कोविड-19 संक्रमण के भय/जोखिम को संबोधित करता है और लोगों, व्यवसायों और अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लौटने में सहायता करेगा।
  - **ओपनफोर्ज ( OpenForge ):** यह ई-गवर्नेंस अनुप्रयोगों के खुले सहयोगात्मक विकास के लिये भारत सरकार का मंच है। इसका उद्देश्य **ई-गवर्नेंस अनुप्रयोग** स्रोत कोड के साझाकरण और पुन: उपयोग को बढ़ावा देना है।
  - **माईस्कीम ( myScheme ):** यह एक राष्ट्रीय मंच है जिसका उद्देश्य **सरकारी योजनाओं की एक ही स्थान पर खोज और जानकारी उपलब्ध कराना है।**
- **UMANG:** UMANG मोबाइल ऐप एक **सर्वसमावेशी एकल, एकीकृत, सुरक्षित, बहु-चैनल, बहुभाषी, बहु-सेवा मोबाइल ऐप है।** यह संघ और राज्यों के विभिन्न संगठनों की उच्च-प्रभावी सेवाओं तक पहुँच प्रदान करता है।
  - **UX4G:** इसका उद्देश्य वैयक्तिकृत, दृश्य रूप से आकर्षक, कुशल और सुलभ इंटरफेस प्रदान करके **डिजिटल सेवाओं को उपयोगकर्त्ता के अनुकूल बनाना है।**
  - साइबर सुरक्षा और क्षमता निर्माण जैसे प्रमुख विषयों पर भी चर्चा की गई।
    - राज्य स्तरीय चर्चाओं में CM हेल्पलाइन (1076), रजिस्ट्रेशन एवं स्टाम्प महानिरीक्षक ( IGRS ), UIDAI इकोसिस्टम और आधार ( Aadhaar ) प्रमाणीकरण सेवाएँ शामिल थीं।
- **खुली परिचर्चा:**
  - इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय और उत्तर प्रदेश सरकार के अधिकारियों के बीच एक सहयोगात्मक सत्र आयोजित किया गया।
  - सत्र के दौरान ई-गवर्नेंस **परियोजनाओं में प्रमुख चुनौतियों और कार्यान्वयन मुद्दों पर** चर्चा की गई।
  - बाधाओं के समाधान तथा परियोजना क्रियान्वयन में सुधार के लिये फीडबैक एवं सुझाव मांगे गए।

## राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग ( NeGD )

- **परिचय:**
  - NeGD की **स्थापना वर्ष 2009 में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ( MeitY ) द्वारा डिजिटल इंडिया कॉरपोरेशन** के तहत एक स्वतंत्र व्यापार प्रभाग के रूप में की गई थी।
- **भूमिका और ज़िम्मेदारियाँ:**
  - NeGD देश भर में ई-गवर्नेंस **परियोजनाओं के प्रबंधन और कार्यान्वयन में इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को सहयोग प्रदान करता है।**
  - यह केंद्रीय एवं राज्य मंत्रालयों, विभागों और अन्य सरकारी संगठनों को **तकनीकी और सलाहकार सहायता प्रदान करता है।**
- **प्रमुख परिचालन क्षेत्र:**
  - **कार्यक्रम प्रबंधन:** ई-गवर्नेंस परियोजनाओं का सुचारू क्रियान्वयन सुनिश्चित करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **परियोजना विकास:** डिजिटल शासन को बढ़ाने के लिये पहल विकसित करना।
- **प्रौद्योगिकी प्रबंधन:** ई-गवर्नेंस परियोजनाओं के तकनीकी पहलुओं की देख-रेख करता है।
- **क्षमता निर्माण:** सरकारी संगठनों के भीतर कौशल और क्षमताओं को मजबूत करता है।
- **जागरूकता और संचार:** डिजिटल इंडिया कार्यक्रम के तहत ई-गवर्नेंस पहल को बढ़ावा देना।

## महाभारत काल की सांस्कृतिक विरासत का संरक्षण

### चर्चा में क्यों ?

**हाल ही में मेरठ के हस्तिनापुर में संरक्षित स्थल** के संरक्षण और विकास पर एक अद्यतन देखा गया है जिसे **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ( ASI )** के प्रबंधन के तहत 2021-22 में केंद्र सरकार द्वारा **पाँच** '**प्रतिष्ठित स्थलों**' में से एक के रूप में नामित किया गया था।

### मुख्य बिंदु

- **इतिहास:**
  - **महाभारत काल** में हस्तिनापुर **पांडवों और कौरवों की राजधानी थी।**
  - यह स्थल महाभारत के कई स्थानों से जुड़ा हुआ है, जिनमें **विदुर टीला, पांडवेश्वर मंदिर, बारादरी, द्रौणदेश्वर मंदिर, कर्ण मंदिर, द्रौपदी घाट और काम घाट शामिल हैं।**
- **उत्खनन:**
  - ASI के महानिदेशक **बी.बी. लाल ने 1950 के दशक के प्रारंभ में** हस्तिनापुर में **खुदाई की थी।**
  - उन्होंने **महाभारत और** उनके द्वारा खोदे गए भौतिक अवशेषों के बीच सहसंबंध पाया, जिसके कारण उन्होंने महाकाव्य की कुछ परंपराओं को ऐतिहासिक बना दिया।
- **लोहे की वस्तुएँ:**
  - इस स्थल पर **लोहे की कई वस्तुएँ हैं** जो **छठी शताब्दी ईसा पूर्व से लेकर 16वीं शताब्दी ईसवी तक की हैं।**
  - उत्खनन से प्राप्त लावा के नमूनों से पता चलता है कि यह स्थल **क्रूसिबल कार्बराइज़ेशन गतिविधियों में शामिल था।**
    - क्रूसिबल कार्बराइजज़ेशन एक **ऐसी प्रक्रिया है जिसमें स्टील बनाने के लिये कार्बन-समृद्ध सामग्री के साथ गढ़ा लोहे को गर्म करने के लिये क्रूसिबल का उपयोग किया जाता है।मेरठ**
- **हालिया कार्य:**
  - ASI ने **वर्ष 2021-22 और 2022-23 में** इस स्थल पर **खुदाई की है।**
  - इस स्थल पर **संरक्षण और विकास कार्य भी किया गया है, जिसमें रास्ते, पार्किंग और उद्यानों का निर्माण** भी शामिल है।

### पाँच प्रतिष्ठित स्थल

- **धोलावीरा:**
  - **यह एक पुरातात्विक स्थल है, जहाँ वर्षा जल संचयन के लिये** जल प्रणाली का उपयोग किया जाता था। हड़प्पा सभ्यता के दौरान यहाँ रहने वाले लोग अपनी जल संरक्षण तकनीकों के लिये जाने जाते हैं।
- **हस्तिनापुर:**
  - **उत्तर प्रदेश के मेरठ ज़िले** में स्थित एक ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थल। महाभारत काल में यह **कुरु वंश के सम्राटों की राजधानी थी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **शिवसागर:**
  - ऊपरी असम का एक शहर **जो अपने अहोम महलों और स्मारकों के लिये जाना जाता है।** यह 1699 से 1788 तक **अहोम साम्राज्य** की राजधानी थी।
- **आदिचनल्लूर:**
  - दक्षिण भारत का एक पुरातात्विक स्थल जिसका इतिहास 2500 ईसा पूर्व से 2200 ईसा पूर्व तक जाता है। 2004 में, यहाँ **विभिन्न जातियों के मानव कंकाल मिले थे।**
- **राखीगढ़ी:**
  - हरियाणा के **हिसार ज़िले में राखीगढ़ी हड़प्पा सभ्यता के सबसे प्रमुख और सबसे बड़े स्थलों** में से एक है। यह भारतीय उपमहाद्वीप में हड़प्पा सभ्यता के पाँच ज्ञात कस्बों में से एक है।

## उत्तर प्रदेश सरकार मदरसा अधिनियम, 2004 में संशोधन करेगी

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004 में संशोधन करने जा रही है, जिसके तहत उच्च स्तरीय शिक्षा को इसके दायरे से बाहर रखा जाएगा तथा इसका दायरा केवल कक्षा 12** तक की शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थानों तक सीमित कर दिया जाएगा।

- इससे पहले के एक निर्णय में, **सर्वोच्च न्यायालय** ने वर्ष 2004 के उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड कानून की संवैधानिक वैधता को बनाए रखा था और इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस निर्णय को रद्द कर दिया था, जिसमें **धर्मनिरपेक्षता के सिद्धांत का उल्लंघन** करने के आधार पर इसे रद्द कर दिया गया था।

### मुख्य बिंदु

- मदरसा अधिनियम में संशोधन उत्तर प्रदेश में मदरसा शिक्षा की **गुणवत्ता** और **निगरानी** बढ़ाने के व्यापक प्रयास का हिस्सा है।
  - सरकार का उद्देश्य धार्मिक शिक्षाओं को मानक धर्मनिरपेक्ष पाठ्यक्रम के साथ एकीकृत करके मदरसों में माध्यमिक शिक्षा में सुधार करना है।
- **उच्च-स्तरीय धार्मिक डिग्रियों पर प्रभाव:**
  - **नए संशोधनों के तहत, मदरसे अब कामिल** और **फाज़िल** जैसी उच्च स्तरीय धार्मिक डिग्री प्रदान नहीं कर सकेंगे।
    - ये डिग्रियाँ, जो मदरसा शिक्षा प्रणाली का एक अभिन्न हिस्सा रही हैं, **संशोधित अधिनियम के अंतर्गत अपनी मान्यता से वंचित हो जाएँगी।**
  - माध्यमिक शिक्षा पर ध्यान केंद्रित करने से मदरसा शिक्षा के प्रति अधिक मानकीकृत दृष्टिकोण लाने की आशा है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि **छात्रों को एक संतुलित शिक्षा प्राप्त हो** जो उन्हें आगे के अध्ययन या व्यावसायिक प्रशिक्षण के लिये तैयार करे।

### उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड अधिनियम, 2004

- इस अधिनियम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश राज्य में मदरसों (इस्लामी शैक्षणिक संस्थानों) के कामकाज को विनियमित और संचालित करना था।
- इसने उत्तर प्रदेश में मदरसों की **स्थापना, मान्यता, पाठ्यक्रम** और **प्रशासन** के लिये एक रूपरेखा प्रदान की।
- इस अधिनियम के तहत राज्य में मदरसों की गतिविधियों की देख-रेख और पर्यवेक्षण के लिये **उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड की स्थापना की गई।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

## उत्तर प्रदेश में आधे से अधिक स्टार्टअप का नेतृत्व महिलाएँ कर रही हैं

### चर्चा में क्यों ?

**उत्तर प्रदेश में पंजीकृत** स्टार्टअप्स में से आधे से अधिक का **नेतृत्व अब महिलाएँ कर रही हैं,** जो राज्य के प्रगतिशील व्यापार परिदृश्य को दर्शाता है।

### मुख्य बिंदु

- **उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ( DPIIT )** के अनुसार, राज्य में 13,370 से अधिक स्टार्टअप्स में से 6,812 से अधिक, यानी लगभग 51%, महिला उद्यमियों द्वारा संचालित हैं।
- राज्य **की स्टार्टअप नीति, जिसे शुरू में वर्ष 2020 में प्रस्तुत किया गया था और वर्ष 2022 में संशोधित किया गया था,** का उद्देश्य सभी 75 ज़िलों में 100 इनक्यूबेटर स्थापित करना है, जो नए उद्यमों के लिये एक दृढ़ बुनियादी ढाँचा प्रदान करेगा।
  - नीति में महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के लिये विशेष रूप से तैयार की गई **वित्तीय प्रोत्साहन और सहायता प्रणालियाँ भी शामिल हैं।**
- उत्तर प्रदेश में स्टार्टअप्स ने **सामूहिक रूप से 100,000 से अधिक नौकरियाँ सृजित की हैं,** जो राज्य की अर्थव्यवस्था में महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।
- **एकल खिड़की मंज़ूरी प्रणाली,** '**निवेश मित्र**' जैसी पहल, व्यापार अनुकूल वातावरण बनाने में सहायक रही हैं।
  - इसकी निपटान दर 97.22% है, जिसके **कारण इसे केंद्र सरकार से पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।**
- भविष्य को देखते हुए, उत्तर प्रदेश सरकार लखनऊ में **भारत का पहला कृत्रिम बुद्धिमत्ता शहर विकसित करने** और AI पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिये एक विशेष कोष स्थापित करने की योजना बना रही है।
  - इन पहलों से तकनीकी स्टार्टअप और नवाचार के केंद्र के रूप में राज्य की लोकप्रियता में और वृद्धि होने की आशा है।

## उत्तर प्रदेश GeM को पूर्ण रूप से अपनाने वाला पहला राज्य बना

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश **भारत का पहला राज्य बन गया है जिसने अपनी खरीद प्रक्रिया को सरकारी ई-मार्केटप्लेस ( GeM ) के साथ पूरी तरह से एकीकृत कर दिया है।**

### मुख्य बिंदु

- उत्तर प्रदेश ने GeM को पूर्णत: अपनाकर **अपनी दीर्घकालिक निविदा प्रणाली को समाप्त कर दिया है।**
- इस एकीकरण के तहत सभी सेवा प्रदाताओं को, बुनियादी स्टेशनरी आपूर्तिकर्त्ताओं से लेकर आधिकारिक उपयोग के लिये **स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल ( SUV ) प्रदान करने वालों तक,** केंद्र सरकार के नियमों का सख्ती से पालन करना **अनिवार्य है।**
- 26 नवंबर, 2024 को जारी व्यापक सरकारी आदेश 33 से अधिक पूर्व खरीद- संबंधी निर्देशों को रद्द कर देता है।
  - यह कदम GeM प्रोटोकॉल का पूर्ण अनुपालन सुनिश्चित करता है, त्रुटियों और दुरुपयोग की संभावना को कम करता है तथा एक मानकीकृत खरीद प्रक्रिया को बढ़ावा देता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- राज्य सरकार का **अनुमान है कि GeM-आधारित खरीद की ओर इस परिवर्तन से सालाना 2,000 करोड़ रुपए से अधिक की बचत हो सकती है।**
  - यह प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण और कुशल खरीद प्रक्रियाओं के माध्यम से प्राप्त किया जाता है।
- उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य निर्माण श्रमिक कल्याण बोर्ड ने 18 अटल आवासीय विद्यालयों के लिये **गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढाँचा सामग्री खरीदने के लिये पहले ही GeM का लाभ उठाया है।** फर्नीचर और IT उपकरण सहित ये सामग्री शीघ्रता से और प्रतिस्पर्द्धी कीमतों पर उपलब्ध कराई गई, जिससे शैक्षिक सुविधाओं के लिये उच्च मानक सुनिश्चित हुए।
  - GeM को पूर्ण रूप से अपनाने से उत्तर प्रदेश में सार्वजनिक खरीद प्रक्रियाओं की विश्वसनीयता बढ़ने की आशा है।
- यह **राज्य के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप है, जो कि व्यवसाय-अनुकूल वातावरण को बढ़ावा देना** तथा सरकारी कार्यों में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।
- यह पहल राज्य के महत्वाकांक्षी आर्थिक लक्ष्यों का भी समर्थन करती है तथा 1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने के इसके लक्ष्य में योगदान देती है।
- पारदर्शी खरीद के प्रति उत्तर प्रदेश की प्रतिबद्धता को **राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता मिली है।**
  - राज्य को कुल ऑर्डर मूल्य और उच्चतम सेवा खरीद सहित विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिये सम्मानित किया गया है।

### सरकारी ई मार्केटप्लेस ( GeM )

- GeM एक **100% सरकारी स्वामित्व वाला और राष्ट्रीय सार्वजनिक खरीद पोर्टल है** जो विभिन्न सरकारी विभागों / संगठनों / सार्वजनिक उपक्रमों द्वारा आवश्यक सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की सुविधा प्रदान करता है।
- यह पहल **वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा वर्ष 2016 में शुरू की गई थी।**
- यह सरकारी उपयोगकर्त्ताओं की सुविधा के लिये ई-बोली, रिवर्स ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण के उपकरण प्रदान करता है, जिससे उनके पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त होता है और **सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाया जाता है।**

## डॉ. अंबेडकर की पुण्यतिथि

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के नेताओं ने दलित आइकन और **भारत के पहले विधि मंत्री डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर**, जिन्होंने भारतीय संविधान की **प्रारूप समिति** का नेतृत्व किया था, को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

### प्रमुख बिंदु

- **परिचय:**
  - **डॉ. भीमराव रामजी अंबेडकर** एक प्रमुख **भारतीय विधिवेत्ता, अर्थशास्त्री, समाज सुधारक और राजनीतिज्ञ** थे।
  - उनका जन्म **14 अप्रैल, 1891 को महू, मध्य प्रदेश** में हुआ था।
    - उनके पिता, **सूबेदार रामजी मालोजी सकपाल**, एक सुशिक्षित व्यक्ति और **संत कबीर** के अनुयायी थे।
- **शिक्षा:**
  - अंबेडकर ने **बॉम्बे विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री** प्राप्त की और आगे की पढ़ाई के लिये **न्यूयॉर्क में कोलंबिया विश्वविद्यालय और लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स** चले गए।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **योगदान:**
  - **वर्ष 1924** में उन्होंने **दलित वर्गों के कल्याण के लिये एक एसोसिएशन** की शुरुआत की **और 1927 में** दलित वर्गों के हितों को संबोधित करने के लिये उन्होंने **बहिष्कृत भारत समाचार पत्र** शुरू किया।
    - उन्होंने **मार्च 1927 में महाड सत्याग्रह का** भी नेतृत्व किया।
  - उन्होंने तीनों **गोलमेज सम्मेलनों** में भाग लिया।
  - वर्ष 1932 में, डॉ. अंबेडकर ने **महात्मा गांधी** के साथ **पूना पैक्ट** पर हस्ताक्षर किये, जिसने दलित वर्गों के लिये पृथक निर्वाचिक मंडल **( कम्युनल अवार्ड )** के विचार को त्याग दिया।
  - **वर्ष 1936** में उन्होंने दलित वर्गों के हितोः की रक्षा के लिये **इंडिपेंडेंट लेबर पार्टी** का गठन किया।
  - वर्ष 1942 में डॉ. अंबेडकर को **भारत के गवर्नर जनरल की कार्यकारी परिषद में श्रम सदस्य** के रूप में नियुक्त किया गया और **वर्ष 1946 में बंगाल से संविधान सभा** के लिये चुने गए।
    - वह **प्रारूप समिति के अध्यक्ष** थे और उन्हें **भारतीय संविधान के जनक** के रूप में याद किया जाता है।
  - वर्ष 1947 में डॉ. अंबेडकर **स्वतंत्र भारत के पहले मंत्रिमंडल में विधि मंत्री** बने।
    - वर्ष 1951 में हिंदू कोड बिल पर मतभेद के कारण **उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा** दे दिया।
- **अतिरिक्त विवरण:**
  - बाद में उन्होंने **बौद्ध धर्म** अपना लिया। **6 दिसंबर, 1956** को उनका निधन हो गया, जिसे **महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है।**
    - **चैत्य भूमि** मुंबई में स्थित बी.आर. अंबेडकर का स्मारक है।
  - उन्हें **वर्ष 1990 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से भी सम्मानित** किया गया।

## पीलीभीत टाइगर रिज़र्व

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में एक वायरल वीडियो सामने आने के बाद **जाँच के आदेश दिये गए हैं,** जिसमें कथित तौर पर उत्तर प्रदेश के एक मंत्री के वाहनों का बेड़ा **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व** के **मुख्य क्षेत्र से गुजरता हुआ दिखाई दे रहा है। इससे वन नियमों के उल्लंघन** की चिंता बढ़ गई है।

### मुख्य बिंदु

- वन विभाग के नियमों के अनुसार, **निजी वाहनों को** मुख्य क्षेत्र में प्रवेश करने पर सख्त प्रतिबंध है तथा **केवल वन विभाग के वाहनों या सफारी पर्यटन के लिये अधिकृत वाहनों को ही प्रवेश की अनुमति है।**
- **पीलीभीत टाइगर रिज़र्व:**
- **यह उत्तर प्रदेश के पीलीभीत और शाहजहाँपुर ज़िले** में स्थित है।
- इसे वर्ष 2014 में **टाइगर रिज़र्व के रूप में अधिसूचित किया गया था।**
- वर्ष 2020 में, इसने पिछले चार वर्षों में बाघों की संख्या दोगुनी करने के लिये **अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार TX2 जीता।**
- **यह ऊपरी गंगा के मैदान में तराई आर्क लैंडस्केप** का हिस्सा है।
- रिज़र्व का उत्तरी किनारा भारत-नेपाल सीमा पर स्थित है, जबकि दक्षिणी सीमा शारदा और खकरा नदियों द्वारा चिह्नित है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **वनस्पति और जीव:**
- यह 127 से अधिक पशुओं, 326 पक्षी प्रजातियों और 2,100 फूलदार पौधों का निवास स्थान है।
- जंगली जानवरों में **बाघ, दलदल हिरण, बंगाल फ्लोरिकन, तेंदुआ** आदि शामिल हैं।
- इसमें कई जल निकायों के साथ ऊँचे **साल के वन,** वृक्षारोपण और घास के मैदान हैं।

### टाइगर रिज़र्व

- **धारीदार बड़ी बिल्लियों ( बाघों ) के संरक्षण** के लिये नामित संरक्षित क्षेत्र को **टाइगर रिज़र्व** कहा जाता है। हालाँकि, टाइगर रिज़र्व एक **राष्ट्रीय उद्यान** या **वन्यजीव अभयारण्य भी हो सकता है।**
- **उदाहरण के लिये: सरिस्का टाइगर रिज़र्व** भी एक राष्ट्रीय उद्यान है। ऐसा इसलिये है क्योंकि इस जगह को मूल रूप से एक **राष्ट्रीय उद्यान के रूप में बनाया गया था और बाद में इसे बाघ संरक्षण के लिये समर्पित कर दिया गया।**
- **राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण** की सलाह पर **वन्यजीव ( संरक्षण ) अधिनियम, 1972** की **धारा 38वी के** प्रावधानों के अनुसार राज्य सरकारों द्वारा बाघ रिज़र्वों को अधिसूचित किया जाता है।

### TX2 पुरस्कार

- यह उस स्थान को समर्पित है, जहाँ **वर्ष 2010 के बाद से बाघों की संख्या में उल्लेखनीय और मापनीय वृद्धि हुई है।**

## जेवर हवाई अड्डे पर पहली वैलिडेशन फ्लाइट की लैंडिंग

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे ( NIA )** ने एक बड़ी उपलब्धि प्राप्त की, जब इसकी **पहली सत्यापन उड़ान सफलतापूर्वक उतरी,** जिससे यह परिचालन तत्परता के और समीप पहुँच गया।

### मुख्य बिंदु

- **सत्यापन उड़ान की सफल लैंडिंग:**
  - सत्यापन उड़ान **इंडिगो द्वारा संचालित की गई थी।**
  - परियोजना की प्रगति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिये साइट श्रमिकों की विशेष सराहना की गई।
- **उड़ान के उद्देश्य:**
  - उड़ान ने **हवाई अड्डे की पहुँच और प्रस्थान प्रक्रियाओं, नेविगेशनल सहायता और हवाई यातायात नियंत्रण प्रणालियों की सटीकता का परीक्षण और पुष्टि की।**
- **मंत्रिस्तरीय टिप्पणियाँ और दृष्टिकोण:**
  - केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ने टीम के प्रयासों की सराहना की और इस बात पर ज़ोर दिया:
    - इस हवाई अड्डे में **हवाई यात्रा और क्षेत्रीय संपर्क को बदलने की क्षमता है।**
    - इसका डिज़ाइन **उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत** को दर्शाता है।
    - वर्ष 2025 में इसके खुलने पर टर्मिनल की क्षमता प्रतिवर्ष 12 मिलियन यात्रियों की होगी।
  - इस विकास के साथ, **उत्तर प्रदेश का 17वाँ परिचालन हवाई अड्डा होगा।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **स्थिरता पर ध्यान:**
  - मंत्री ने निम्नलिखित के माध्यम से स्थिरता पर ज़ोर दिया:
    - हवाई अड्डे को बिजली प्रदान करने के लिये **सौर ऊर्जा** का उपयोग।
    - **पर्यावरण अनुकूल बुनियादी ढाँचे का विकास** सरकारी प्राथमिकताओं के अनुरूप।
- **आर्थिक एवं विकासात्मक प्रभाव:**
  - **इस परियोजना से हज़ारों नौकरियाँ उत्पन्न होने** की आशा है।
  - इसके पूरा होने पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा मिलने और क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा मिलने तथा एशिया के सबसे बड़े हवाई अड्डे के रूप में कार्य करने की भी आशा है।

### नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा ( NIA )

- जेवर स्थित नोएडा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे को **देश के पहले ट्रांजिट हब के रूप में विकसित किया जा रहा है** तथा इसे **भारत में पहली बार एशिया-प्रशांत** ट्रांजिट हब के रूप में विकसित करने की आकांक्षा है।
- इसे **स्विट्ज़रलैंड के ज्यूरिख हवाई अड्डे के मॉडल के आधार पर विकसित किया गया है,** जिसका लक्ष्य यात्री और उड़ान संचालन क्षमताओं को विश्व स्तरीय मानकों तक बढ़ाना है।
  - ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे का निर्माण पश्चिमी उत्तर प्रदेश के गौतम बुद्ध नगर ज़िले के जेवर क्षेत्र में किया जा रहा है।
  - यह दिल्ली के **इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में दूसरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा होगा।**

## GeM प्लेटफॉर्म को पूर्णत: अपनाने वाला पहला राज्य- उत्तर प्रदेश

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश **गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस ( GeM ) प्लेटफॉर्म** को पूरी तरह से एकीकृत करने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है, **जिससे सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता और दक्षता** बढ़ेगी।

इस कदम से **प्रतिवर्ष 2,000 करोड़ रुपए की बचत होने का अनुमान है,** साथ ही निष्पक्ष व्यवहार को बढ़ावा मिलेगा और छोटे व्यवसायों को सशक्त बनाया जाएगा।

### मुख्य बिंदु

- उत्तर प्रदेश में पूर्ववर्ती निविदा प्रणाली में एकरूपता का अभाव था तथा उसका दुरुपयोग होने की संभावना थी।
- GeM मानकीकृत नियमों को लागू करके इन मुद्दों का समाधान करता है, जिससे उल्लंघन या खामियों की संभावना कम हो जाती है।
- राज्य सरकार का लक्ष्य सभी राज्य विभागों में GeM के उपयोग को बढ़ाना, अनुपालन सुनिश्चित करना और जवाबदेही बढ़ाना है।
- **प्रदर्शित सफलता:**
  - उत्तर प्रदेश भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण बोर्ड ने 18 **अटल आवासीय विद्यालयों** के लिये सामग्री खरीदने हेतु GeM का उपयोग किया।
    - कक्षा 6 से इंटरमीडिएट स्तर तक के छात्रों को शिक्षा प्रदान करने वाले ये स्कूल अब **कोविड-19 महामारी** के दौरान अनाथ हुए बच्चों को सहायता प्रदान करने सहित अनुकरणीय शिक्षण वातावरण प्रदान करते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **नीति सुधार और अनुपालन:**
  - **सख्त दिशा-निर्देश:** नीतियाँ ऑफलाइन कॉन्ट्रैक्ट, प्राइस डिस्कवरी बिड, क्वांटिटी-बेस्ड बिड और बोली मूल्यांकन (Bid Evaluations) के दौरान नमूनों के लिये अनावश्यक अनुरोध जैसी प्रथाओं पर रोक लगाती हैं।
    - सभी राज्य विभागों को अपनी वार्षिक वस्तुओं और सेवाओं का कम से कम 25% GeM के माध्यम से खरीदना होगा तथा ऐसा न करने पर जुर्माना लगाया जाएगा।
- **लघु उद्यमों के लिये समर्थन: निविदा पात्रता मानदंडों में ढील ( जैसे, टर्नओवर और पिछला प्रदर्शन ) सूक्ष्म और लघु उद्यमों ( MSME )** के लिये अवसर उत्पन्न करते हैं।
- **श्रमिक कल्याण प्रावधान:** नीतियों में आउटसोर्स कर्मचारियों के लिये न्यूनतम मज़दूरी, **कर्मचारी भविष्य निधि ( EPF )** और **कर्मचारी राज्य बीमा ( ESI )** लाभ अनिवार्य किया गया है।
  - सेवा प्रदाता नियुक्ति के बाद मनमाने ढंग से आउटसोर्स कर्मचारियों को नहीं बदल सकते, जिससे नौकरी में स्थिरता और निष्पक्षता सुनिश्चित हो सके।
- **मिलीभगत-रोधी उपाय:** मिलीभगत या बोली (Bid) में हेराफेरी करने पर कठोर दंड लगाया जाता है, तथा मामले की सूचना GeM टीम को देने का प्रावधान है।
- **शिकायत निवारण तंत्र:** उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव की अध्यक्षता में उच्च स्तरीय समितियाँ समर्पित ईमेल के माध्यम से प्रस्तुत अनुपालन संबंधी शिकायतों की समीक्षा करती हैं।
- राष्ट्रीय पहल के साथ संरेखण:
- GeM को अपनाने से शासन में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाकर "डिजिटल इंडिया" के दृष्टिकोण को बढ़ावा मिलेगा।
- यह मंच स्थानीय आपूर्तिकर्त्ताओं को समर्थन प्रदान करता है तथा "मेक इन इंडिया" पहल के अनुरूप निष्पक्ष प्रतिस्पर्द्धा को बढ़ावा देता है।

### गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस ( GeM ) प्लेटफॉर्म

- **GeM** विभिन्न सरकारी विभागों/संगठनों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों द्वारा अपेक्षित **सामान्य उपयोग की वस्तुओं और सेवाओं की ऑनलाइन खरीद की** सुविधा प्रदान करता है।
- यह पहल वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अगस्त 2016 में शुरू की गई थी।
- GeM का वर्तमान संस्करण अर्थात **GeM 3.0, 26 जनवरी, 2018 को लॉन्च किया गया था।**
- यह सरकारी उपयोगकर्त्ताओं की सुविधा के लिये **ई-बिडिंग, रिवर्स ई-नीलामी और मांग एकत्रीकरण के उपकरण प्रदान करता है, जिससे उनके पैसे का सर्वोत्तम मूल्य प्राप्त होता है और सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता, दक्षता और गति को बढ़ाया जाता है।**

## UP ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिये अनुपूरक बजट पेश किया

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य विधानसभा में वर्ष 2024-25 के लिये 17,865.72 करोड़ रुपए का अनुपूरक बजट** पेश किया, जो **मूल 7.36 लाख करोड़ रुपए के बजट का 2.42% है।**

इस दूसरे अनुपूरक बजट से राज्य का कुल बजट आकार 7,66,513.36 करोड़ रुपए हो गया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

## मुख्य बिंदु

- **प्रमुख आवंटन:**
- **प्रमुख विभाग आवंटन:**
  - ऊर्जा विभाग के लिये 8,587.27 करोड़ रुपए।
  - वित्त विभाग के लिये 2,438.63 करोड़ रुपए।
  - परिवार कल्याण विभाग के लिये 1,592.28 करोड़ रुपए।
  - पशुपालन विभाग के लिये 1,001 करोड़ रुपए।
- **अन्य विभागीय अनुदान:**
  - लोक निर्माण विभाग ( PWD ) के लिये 805 करोड़ रुपए।
  - सूचना विभाग के लिये 505 करोड़ रुपए।
  - प्राथमिक शिक्षा विभाग के लिये 515 करोड़ रुपए।
- **रोज़गार में उपलब्धियाँ:**
  - **राज्य की बेरोज़गारी दर** 19% (2012-2017) से घटकर 2.4% (2024) हो गई।
  - **शिक्षा विभाग में** रिक्त पदों पर 1,60,000 से अधिक भर्तियाँ की गईं।

# इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश को हटाया गया

## चर्चा में क्यों ?

हाल ही में राज्यसभा **के 55 सांसदों** ने **इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश,** न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव को हटाने के लिये राज्यसभा के सभापति को एक प्रस्ताव सौंपा है।

## मुख्य बिंदु

- **न्यायाधीशों को हटाने की प्रक्रिया:**
  - अनुच्छेद 124 और 218 के तहत, सर्वोच्च न्यायालय और उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को **राष्ट्रपति द्वारा "सिद्ध दुर्व्यवहार" या "अक्षमता" के आधार पर हटाया जा सकता है।**
  - **हटाने के लिये संसद के दोनों सदनों** द्वारा **प्रस्ताव पारित होना आवश्यक है:**
    - सदन की कुल सदस्यता का बहुमत।
    - उसी सत्र में उपस्थित और मतदान करने वाले सदस्यों के कम से कम दो-तिहाई का **विशेष बहुमत।**
  - संविधान में "सिद्ध कदाचार" और "अक्षमता" शब्दों को परिभाषित नहीं किया गया है।
    - सर्वोच्च न्यायालय द्वारा व्याख्या के अनुसार **दुर्व्यवहार में जानबूझकर किया गया कदाचार, भ्रष्टाचार, निष्ठा की कमी या नैतिक अधमता** शामिल है।
    - **अक्षमता से** तात्पर्य **न्यायिक कार्यों में बाधा डालने वाली शारीरिक या मानसिक स्थिति से है।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **न्यायाधीश ( जाँच ) अधिनियम, 1968 के अंतर्गत प्रक्रिया:**
- **प्रस्ताव की सूचना:**
  - **इसके लिये कम से कम 50 राज्यसभा सदस्यों या 100 लोकसभा सदस्यों** के हस्ताक्षर आवश्यक हैं।
  - परामर्श के बाद अध्यक्ष या **स्पीकर** यह निर्णय लेते हैं कि प्रस्ताव को स्वीकार किया जाए या नहीं।
- **गठित जाँच समिति:**
  - यदि प्रस्ताव स्वीकार कर लिया जाता है तो न्यायाधीशों और एक प्रतिष्ठित न्यायविद सहित **तीन सदस्यीय समिति गठित की जाती है।**
  - समिति आरोपों की जाँच करती है:
    - यदि **न्यायाधीश को दोषमुक्त कर दिया जाता है, तो प्रस्ताव निरस्त हो जाता है।**
    - यदि **दोषी पाया जाता है तो समिति की रिपोर्ट मतदान के लिये संसद** में भेजी जाती है।
- **संसदीय अनुमोदन:**
  - **राष्ट्रपति** द्वारा न्यायाधीश को हटाने के लिये **दोनों सदनों को विशेष बहुमत से प्रस्ताव पारित करना होगा।**
- **वर्तमान मुद्दा:**
  - **न्यायमूर्ति यादव ने विश्व हिंदू परिषद** द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सांप्रदायिक टिप्पणी करते हुए कहा कि देश को बहुसंख्यकों की इच्छा से चलाया जाना चाहिए।
  - **न्यायिक जीवन के मूल्यों की पुनर्स्थापना ( 1997 )** में न्यायाधीशों से **निष्पक्षता बनाए रखने** और अपने पद के अनुरूप कार्य न करने की अपेक्षा की गई है।
  - यद्यपि **न्यायाधीश ( जाँच ) विधेयक, 2006** (जो पारित नहीं हुआ) में कदाचार की परिभाषा में आचार संहिता के उल्लंघन को भी शामिल किया गया था, तथापि इसमें छोटे कदाचार के लिये चेतावनी या निन्दा जैसे छोटे अनुशासनात्मक उपायों का भी प्रस्ताव किया गया था।
- **कठोर निष्कासन प्रक्रिया:**
  - यह प्रक्रिया **न्यायिक स्वतंत्रता** सुनिश्चित करती है, लेकिन अक्सर दोषी होने पर भी न्यायाधीशों के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं होती।
  - ब्लैकस्टोन **का अनुपात सिद्धांत** यह है कि निर्दोष को दंडित करने की अपेक्षा दोषी को छोड़ देना बेहतर है तथा यह स्वतंत्रता को बनाए रखने के लिये न्यायाधीशों को हटाने पर भी लागू होता है।

## पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **सर्वोच्च न्यायालय** ने **हरियाणा और उत्तर प्रदेश सरकारों को** अगले आदेश तक **राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र ( NCR )** में **पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध** लगाने का निर्देश दिया।

### मुख्य बिंदु

- **पूर्ण प्रतिबंध का आह्वान:**
  - सर्वोच्च न्यायालय ने दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान की सरकारों को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (NCR) में वर्ष भर पटाखों पर प्रतिबंध लगाने के मुद्दे पर अपने विचार स्पष्ट करने के लिये कहा है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- न्यायालय ने **वायु प्रदूषण और ध्वनि प्रदूषण दोनों से निपटने के लिये प्रतिबंध की आवश्यकता पर बल दिया।**

- **वर्तमान स्थिति और उपाय:**
  - फिलहाल **पटाखों पर पूर्ण प्रतिबंध** केवल **दिवाली और नए वर्ष के आसपास ही लागू होता है।**
  - दिल्ली ने पटाखों के उत्पादन, संग्रहण, बिक्री और ऑनलाइन वितरण पर एक वर्ष के लिये रोक लगा दी है।
  - **राजस्थान ने भी NCR के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों में इसी प्रकार का प्रतिबंध लगाया है।**
- **प्रदूषण विरोधी उपायों का प्रवर्तन:**
  - वायु गुणवत्ता खराब होने के कारण दिल्ली-NCR में ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान (GRAP) चरण 4 लागू किया गया।
  - NCR राज्यों को **GRAP उपायों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करने के लिये अधिकारियों की टीम बनाने का निर्देश दिया गया।**
  - ये टीमें सर्वोच्च न्यायालय के अधिकारियों के रूप में कार्य करेंगी तथा **वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ( CAQM ) को अनुपालन और उल्लंघनों की रिपोर्ट देंगी।**

### ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान ( GRAP )

- GRAP **में आपातकालीन उपाय शामिल हैं, जो दिल्ली-NCR क्षेत्र** में विशिष्ट सीमा तक पहुँचने के बाद वायु गुणवत्ता में गिरावट को रोकने के लिये तैयार किये गए हैं।
- **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ( MoEF&CC )** ने वर्ष 2017 में GRAP को अधिसूचित किया।
  NCR एवं आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (CAQM) GRAP को क्रियान्वित करता है।

## अयोध्या ने ताजमहल को पीछे छोड़ते हुए उत्तर प्रदेश का प्रमुख पर्यटन स्थल बना ( 2024 )

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **अयोध्या ने आगरा ( ताजमहल ) को** पीछे छोड़ते हुए वर्ष 2024 के लिये **उत्तर प्रदेश** में **सबसे अधिक देखा जाने वाला स्थल** बन गया।

### मुख्य बिंदु

- **अयोध्या शीर्ष गंतव्य बना**
  - जनवरी से सितंबर 2024 के बीच **अयोध्या में 135.5 मिलियन घरेलू पर्यटक** और **3,153 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक** आए।
    - पर्यटन में यह वृद्धि मुख्य रूप से **राम मंदिर के उद्घाटन से प्रेरित है,** जिसने शहर को भारत में **आध्यात्मिक पर्यटन के केंद्र के रूप में स्थापित किया है।**
  - अयोध्या में धार्मिक पर्यटन बुकिंग में 70% की वृद्धि देखी गई है, राम मंदिर में **प्राण प्रतिष्ठा** समारोह में बड़ी भीड़ जुट रही है और जनवरी 2025 में इसके वर्षगाँठ समारोह के दौरान इसमें और वृद्धि होने की आशा है।
- **आगरा ( ताजमहल )**
  - वर्ष 2024 में आगरा स्थित प्रसिद्ध **ताजमहल** में **125.1 मिलियन आगंतुकों** ने प्रवेश किया, जिनमें से **115.9 मिलियन घरेलू** और **924,000 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक** शामिल थे।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **ताजमहल अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों** के लिये एक प्रमुख आकर्षण बना हुआ है, जहाँ **विदेशी आगमन 2022-23** में **2.684 मिलियन** से बढ़कर **2023-24** में **27.7 मिलियन** हो जाएगा।
- हालाँकि, ताजमहल में **घरेलू पर्यटकों की संख्या में 193,000 की मामूली कमी आई है।**

- **उत्तर प्रदेश में पर्यटन विकास**
  - **उत्तर प्रदेश में वर्ष** 2024 में पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, **जनवरी से सितंबर 2024 तक 476.1 मिलियन पर्यटक** राज्य में आएँगे।
  - वर्ष 2024 में राज्य का पर्यटन प्रदर्शन **2023** में दर्ज **480 मिलियन पर्यटकों को पार करने की राह पर है।**
  - **अयोध्या** के अलावा, उत्तर प्रदेश के अन्य आध्यात्मिक स्थलों, जिनमें **वाराणसी** (62 मिलियन घरेलू, 184,000 अंतर्राष्ट्रीय), **मथुरा** (68 मिलियन, 87,229 विदेशी), **प्रयागराज** (48 मिलियन) और **मिर्ज़ापुर** (11.8 मिलियन) शामिल हैं, ने भी वर्ष 2024 में महत्त्वपूर्ण वृद्धि देखी गई है।
  - **कुशीनगर** में **बौद्ध सर्किट** में 1.62 मिलियन पर्यटक आए, जिनमें 153,000 अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक शामिल थे, जो अयोध्या के आध्यात्मिक आकर्षण से परे पर्यटन को विविधता प्रदान करने के उत्तर प्रदेश के प्रयासों को दर्शाता है।

## प्राचीन बावड़ी उत्तर प्रदेश में खोजी गई

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **चंदौसी के लक्ष्मण गंज क्षेत्र में खुदाई के दौरान लगभग 125 से 150 वर्ष पुरानी** एक बावड़ी मिली, जो 400 वर्ग मीटर क्षेत्र में विस्तृत है।

### मुख्य बिंदु

- **उत्खनन अवलोकन:**
  - यह खुदाई **46 वर्षों के बंद रहने के पश्चात** 13 दिसंबर, 2024 को संभल में **भस्म शंकर मंदिर के पुनः खुलने के उपलक्ष्य में की जा रही है।**
  - अधिकारियों ने बताया कि खुदाई के दौरान **मंदिर के कुएँ से दो क्षतिग्रस्त मूर्तियाँ सहित एक संरचना मिली है।**
    - स्थानीय लोगों का दावा है कि इस बावड़ी का **निर्माण बिलारी के राजा कके नाना के शासनकाल में हुआ था।**
- **वास्तुकला विशेषताएँ:**
  - **कुएँ की ऊपरी मंजिल ईंटों से बनी है,** जबकि **निचली दो मंजिलें संगमरमर से बनी हैं।**
  - इस संरचना **में चार कमरे और एक कुआँ भी शामिल है।**

## उच्च न्यायालय ने 17वीं सदी के आगरा स्मारक को संरक्षित करने का आदेश दिया

### चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने 17वीं शताब्दी के विरासत स्थल, आगरा के हम्माम** को अंतरिम संरक्षण प्रदान किया तथा **भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ( ASI )** और राज्य प्राधिकारियों को **स्मारक को किसी भी प्रकार की क्षति से बचाने का निर्देश दिया।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME | UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME | IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME | दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

## मुख्य बिंदु

- **विरासत स्थल का संरक्षण:**
  - **आगरा में अली वर्दी खान के हम्माम** की सुरक्षा के लिये एक **जनहित याचिका ( PIL )** दायर की गई थी, जिसमें "अवैध और अनधिकृत व्यक्तियों" द्वारा ध्वस्त किये जाने के आसन्न खतरे का हवाला दिया गया था।
  - आगरा के चिपिटोला में स्थित हम्माम की अक्तूबर 2023 में ASI सर्वेक्षण से पुष्टि हुई थी कि इसका निर्माण 1620 ई. में हुआ था।
- **संरक्षण के लिये न्यायालय के निर्देश:**
  - उच्च न्यायालय ने पुलिस आयुक्त, आगरा, ASI और **उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग** को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि स्मारक को कोई नुकसान न पहुँचे।
  - पुलिस आयुक्त को संरचना की सुरक्षा के लिये पर्याप्त पुलिस बल तैनात करने का निर्देश दिया गया।
- **प्राचीन स्मारक तथा पुरातत्व स्थल एवं अवशेष अधिनियम, 1958** के तहत, ASI और राज्य प्राधिकारियों का **कर्त्तव्य है कि वे 400 वर्ष पुराने हम्माम की सुरक्षा की जाए।**

## शाही हम्माम

- यह आगरा के चिपिटोला में स्थित एक **मुगलकालीन स्नानागार है, जिसका निर्माण अलीवर्दी खान ने 1620 में करवाया था।**
- किसी समय यह हम्माम एक बड़े सराय परिसर का हिस्सा था, यह न केवल **स्नान की सुविधा के रूप में कार्य करता था,** बल्कि एक **सांस्कृतिक और सामाजिक केंद्र के रूप में भी कार्य करता था।**

# उत्तर प्रदेश में गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग

## चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने** कहा कि **गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग** से प्रति एकड़ 10,000 से 12,000 रुपए की बचत होकर **किसानों की आय बढ़ सकती है।**

- उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि यदि राज्य के अधिकांश किसान इस पद्धति को अपनाएँ तो **काफी सामूहिक बचत संभव है।**

## मुख्य बिंदु

- **गौ-आधारित खेती के लाभ:**
  - **इससे कृषि लागत कम होती है** और **पशुधन का संरक्षण होता है।**
  - दीर्घकाल में **मृदा, जल और मानव स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है।**
- **इनपुट पर वर्तमान निर्भरता:**
- **बीज:**
  - उत्तर प्रदेश अपनी आवश्यकता का केवल आधा बीज ही उत्पादित करता है तथा शेष बीज को अन्य राज्यों, विशेषकर दक्षिणी भारत से ऊंची लागत पर आयात करता है।
- **उर्वरक:**
  - भारत **उर्वरकों**, विशेषकर **यूरिया, फॉस्फेट और पोटाश के लिये आयात पर बहुत अधिक निर्भर करता है**
  - **वर्ष** 2023-2024 में अकेले यूरिया आयात पर 2,127 करोड़ रुपए का खर्च आएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **भारत की उच्च मांग के कारण** निर्यातक देश अक्सर कीमतें बढ़ा देते हैं।

- **गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग की संभावनाएँ:**
  - विशेषज्ञ उर्वरक आयात पर खर्च होने वाली **विदेशी मुद्रा** को बचाने की इसकी क्षमता पर प्रकाश डालते हैं।
  - **उत्तर प्रदेश** में 2.78 करोड़ किसान और लगभग 2 करोड़ मवेशी हैं, जो गौ-आधारित खेती के लिये **एक मज़बूत आधार प्रदान करते हैं।**
    - एक गाय के गोबर और मूत्र से लगभग चार एकड़ भूमि पर खेती की जा सकती है।
- **सरकारी पहल:**
  - **आत्मनिर्भर गौशालाएँ: गौशालाओं** को गौ-आधारित नेचुरल फार्मिंग के **प्रशिक्षण केंद्र** के रूप में विकसित किया जा रहा है।
  - **समर्पित विश्वविद्यालय:** पारंपरिक तरीकों को आधुनिक प्रौद्योगिकी के साथ एकीकृत करने के लिये नेचुरल फार्मिंग (Natural Farming) विश्वविद्यालय स्थापित करने की योजना।
  - **वित्तीय सहयता:** किसानों को तीन वर्षों में वित्तीय सहायता मिलती है, पहले वर्ष 4,800 रुपए, दूसरे वर्ष 4,000 रुपए और तीसरे वर्ष 3,600 रुपए।
    - पशु शेड और **बायोगैस संयंत्र के लिये भी अनुदान उपलब्ध है।**
  - **उत्पाद विपणन: प्राकृतिक कृषि उत्पादों को बढ़ावा देने** के लिये संभागीय मुख्यालयों पर समर्पित **आउटलेट स्थापित किये गए हैं।**
  - सरकार **उपभोक्ता विश्वास और बाज़ार विश्वसनीयता बढ़ाने के लिये उत्पाद प्रमाणन को प्राथमिकता दे रही है।**
- **जैविक उत्पादों की बढ़ती मांग:**
  - **कोविड के बाद, जैविक**, क्षेत्रीय स्तर पर उत्पादित उत्पादों **की मांग अधिक है।**
  - शोध संस्थान क्षेत्रीय स्वाद वाले स्वास्थ्यवर्द्धक खाद्य विकल्पों के प्रति बढ़ती प्राथमिकता पर प्रकाश डालते हैं।

## नेचुरल फार्मिंग ( Natural Farming )

- यह कृषि की एक ऐसी पद्धति है जो **एक संतुलित और आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र बनाने का प्रयास करती है** जिसमें सिंथेटिक रसायनों या आनुवंशिक रूप से संशोधित जीवों के उपयोग के बिना फसलें उगाई जा सकें।
  - कृत्रिम उर्वरकों और कीटनाशकों जैसे कृत्रिम इनपुट पर निर्भर रहने के बजाय, प्राकृतिक किसान मृदा स्वास्थ्य को बढ़ाने और फसल विकास को समर्थन देने के लिये **फसल चक्र, अंतरफसल और खाद बनाने जैसी तकनीकों पर भरोसा करते हैं।**
- प्राकृतिक कृषि पद्धतियां **प्रायः पारंपरिक ज्ञान और प्रथाओं पर आधारित होती हैं तथा इन्हें स्थानीय परिस्थितियों** और संसाधनों के अनुरूप अनुकूलित किया जा सकता है।
- नेचुरल फार्मिंग का लक्ष्य **स्वस्थ, पौष्टिक भोजन का उत्पादन करना है** जो सतत् और पर्यावरण के अनुकूल हो।

# महाकुंभ 2025 में ड्रोन शो

## चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार **महाकुंभ 2025** के दौरान एक **ड्रोन शो आयोजित करने की योजना बना रही है,** जिसमें महाकुंभ और प्रयागराज से संबंधित **पौराणिक कथाओं को दर्शाया जाएगा।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

## मुख्य बिंदु

- **ड्रोन शो की मुख्य विशेषताएँ:**
  - **2,000 प्रकाशित ड्रोनों का एक बेड़ा 'प्रयाग महात्म्यम' और महाकुंभ की पौराणिक कथाओं का** वर्णन करेगा।
  - **पौराणिक समुद्र मंथन ( Ocean Churning )** और **अमृत कलश ( Nectar Pot ) के उद्भव** जैसी ऐतिहासिक घटनाओं को दृश्यात्मक रूप से पुन: प्रस्तुत किया जाएगा।
- **उद्देश्य:**
  - इस शो का उद्देश्य **प्रयागराज के धार्मिक और आध्यात्मिक महत्त्व को उजागर करना है** तथा तीर्थयात्रियों और स्थानीय लोगों को एक अनूठा अनुभव प्रदान करना है।
- **महाकुंभ की तैयारियाँ:**
  - प्रत्येक बारह वर्ष में आयोजित होने वाला यह महाकुंभ **13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक चलेगा।**
  - राज्य सरकार प्रयागराज में मंदिरों, **गंगा** घाटों, पार्कों, सड़कों और फ्लाईओवरों के **विकास और सौंदर्यीकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है।**
  - मुख्यमंत्री ने तैयारियों की प्रगति का निरीक्षण करने के लिये **प्रयागराज का कई बार दौरा किया है।**

## कुंभ मेला

- यह धरती पर तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है, जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान या डुबकी लगाते हैं। यह समागम 4 अलग-अलग जगहों पर होता है अर्थात्-
  - **हरिद्वार** में, **गंगा** के तट पर।
  - **उज्जैन** में, **शिप्रा** के तट पर।
  - **नासिक** में, **गोदावरी ( दक्षिण गंगा )** के तट पर।
  - **प्रयागराज** में, गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य **सरस्वती के संगम** पर।
- **कुंभ के विभिन्न प्रकार:**
  - कुंभ **मेला 12 वर्षों में 4 बार** मनाया जाता है।
  - **हरिद्वार और प्रयागराज** में, **अर्द्ध-कुंभ मेला हर 6 वें वर्ष** आयोजित किया जाता है।
  - **महाकुंभ मेला** 144 वर्षों (12 'पूर्ण कुंभ मेलों' के बाद) के बाद प्रयाग में मनाया जाता है।
  - **प्रयागराज में हर साल माघ ( जनवरी-फरवरी )** महीने में **माघ कुंभ** मनाया जाता है।

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :